स्वदेश ज्योति

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किया उद्घाटन, देश भर के 700 पूर्णकालिकों का 5 दिनों तक प्रशिक्षण

भोपाल में विद्याभारती का राष्ट्रीय अभ्यास वर्ग शुरू

सायंकालीन स्वदेश संवाददाता, भोपाल

भोपाल के शारदा विहार शैक्षिक संस्थान में विद्या भारती का अभ्यास वर्ग शुरू हो गया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ मोहन भागवत ने इस अभ्यास वर्ग का उद्घाटन किया। अभ्यास वर्ग में देश भर के 700 से ज्यादा पूर्ण कालिक कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। केरवा डैम रोड स्थित शारदा विहार में 5 दिन चलने वाले अभ्यास वर्ग में एनसीईआरटी, सीबीएसई डायरेक्टर, भाषा भारती अध्यक्ष सहित शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और विशेषज्ञ सत्रों में शामिल होंगे। पूरे अभ्यास वर्ग में कुल 22 सत्र होंगे। विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष रामकृष्ण राव ने बताया विद्या भारती के करीब 22 हजार औपचारिक और अनौपचारिक विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में शैक्षणिक, प्रबंधन और तमाम कामों को करने वाले 700 से ज्यादा पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को अभ्यास वर्ग में प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के सभी जिलों में एक अच्छा स्किल डेवलपमेंट सेंटर तैयार हो। कल्पना यही है कि स्किलिंग बाय स्कूलिंग यानि शिक्षा के साथ निपुणता की व्यवस्था हो। अपडेटेड नॉलेज से समृद्ध बने। इस दृष्टि से हम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप टेक्नोलॉजी में हमारे शिक्षक गण दक्ष हों। हमारे पास 1 लाख 6 हजार आचार्य है। उनको सशक्त करने के लिए यह अभ्यास वर्ग चला रहे हैं। वर्ग में कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सामाजिक परिवर्तन के प्रयासों को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकेंगे।

जिला स्तर पर देंगे प्रशिक्षण

विद्याभारती के लिए काम करने वाले जिला और उससे ऊपर के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले नए परिवर्तन पर प्रशिक्षण लेकर यह जिला स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। आयोजन स्थल को पर्यावरण-संवेदनशील बनाते हुए पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लिया गया है। भारत के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य की झलक डिजिटल व मैन्युअल प्रदर्शनियों का नियोजन किया जाएगा। ये प्रदर्शनियां भारत की संस्कृति, विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्र सेवा के अद्वितीय पहलुओं को प्रस्तुत करेंगी।

Sayankaleen Swadesh Edition
Mar 04, 2025 Page No. 1
Powered by: erelego.com

मोहन राव भागवत ने विद्या भारती के कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

संघ केवल शाखा संचालन नहीं करता समाज परिवर्तन के लिए कर रहा कार्य

दैनिक मीडिया गैलरी > भोपाल

डॉ. दीपक राय

05 मार्च 2025

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के परम पूजनीय सरसंघचालक मोहन भागवत ने आज विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान (वीबीएवीएसएस) के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के पंचदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का औपचारिक उद्घाटन किया। यह शिविर भोपाल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय, शारदा विहार में आयोजित किया गया है।

इस अवसर पर संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल जी, विद्या भारती के अध्यक्ष श्री डी. रामकृष्ण राव, महामंत्री श्री अवनीश भटनागर सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में श्री अवनीश भटनागर ने अतिथियों का परिचय कराया, जिसके उपरांत अध्यक्ष श्री डी. रामकृष्ण राव ने शिविर की संकल्पना प्रस्तुत की।

युगानुकूल परिवर्तन में भारत की अग्रणी भूमिका

अपने संबोधन में परम पूजनीय सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी ने कहा कि विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि संघ केवल शाखा संचालन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज परिवर्तन की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व में हो रहे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक बदलावों को भारत की सनातन परंपरा के आलोक में दिशा देने की आवश्यकता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में कई विकृतियां उभर रही हैं, तब भारत ही वह ध्रुव तारा है जो सही दिशा प्रदान कर सकता है। इसके लिए समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु भारतीय परंपराओं पर आधारित शिक्षा, संस्कृति और नीति निर्माण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

संघ का व्यापक प्रभाव

उन्होंने उल्लेख किया कि विद्या भारती द्वारा किए जा रहे कार्यों का वैश्विक स्तर पर प्रभाव देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भी इसकी व्यापकता को स्वीकार किया है। यह प्रमाणित करता है कि संघ और उसके सहयोगी संगठनों का कार्य केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैश्विक महत्व भी है।

समाज जागरण की आवश्यकता

श्री भागवत जी ने कहा कि आज समाज में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मानवता, करुणा और सत्य जैसे मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित समाज का निर्माण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में भारत को एक आदर्श समाज मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना होगा, जो संपूर्ण विश्व को शांति और समरसता की ओर ले जाने में सक्षम हो।

संघ कार्यकर्ताओं से आह्वान

परम पूजनीय सरसंघचालक जी ने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे अपने विचार और कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य करें। उन्होंने पंच परिवर्तन, विमर्श परिवर्तन, और सज्जन शक्ति जागरण को संघ के आगामी कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। शिविर के आगामी सत्रों में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे कार्यकर्ताओं को समाज जागरण के लिए और अधिक प्रभावी रूप से तैयार किया जा सके।

स्वदेश ज्योति

विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने किया शुभारंभ

दुनिया को भारत से उम्मीदें, विश्व को देनी होगी मानवता की दिशा: डॉ.भागवत

विशेष संवाददाता, भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत ने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे व्यापक दृष्टिकोण से देखना होगा। मानवता को सही दिशा देने के लिए आवश्यक है कि हम अपने कार्य को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाएं। विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करती बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वर्तमान विश्व भारत की ओर देख रहा है। उसे भारत से बहुत उम्मीदे हैं, भारत को विश्व भर में मानवता की दिशा देनी होगी। डॉ. भागवत मंगलवार को विद्या भारती के आयोजित पांच दिवसीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग 2025 के उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। राजधानी भोपाल स्थित शारदा विहार आवासीय विद्यालय में मंगलवार को आवासीय वर्ग का शुभारंभ करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि विद्या भारती अपने विचारों के अनुरूप शिक्षा कार्य कर रही है। यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के जीवन मूल्यों और संस्कारों का निर्माण भी करती है। हमारी शिक्षा का कार्य व्यापक है, जो केवल ज्ञान देने तक सीमित नहीं रह सकता अपितु इसका उद्देश्य समाज को नैतिक रूप से समृद्ध बनाना भी है। समय के अनुसार परिवर्तन आवश्यक है, लेकिन इसमें निष्क्रिय होकर बैठना उचित नहीं होगा। मानव अपने मस्तिष्क के बल पर समाज में परिवर्तन लाता है और उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह परिवर्तन सकारात्मक हो।

कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग में भाग लेते स्वयंसेवक।

सकारात्मक परिवर्तन के लिए शिक्षा जरूरी: राव

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष दूसी रामकृष्ण राव ने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि विद्या भारती के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हमारा मुख्य लक्ष्य है, जिससे वे शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी बिंदुओं को सम्मानित करते हुए संगठन के लक्ष्यों में कुछ नई बातों को जोड़ने का भी प्रावधान किया गया है। इस कार्यक्रम में देश भर से अखिल भारतीय पदाधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी समेत सात सौ से अधिक कार्यकर्ता, पदाधिकारी उपस्थित हैं।

सब में मैं हूं, मुझ में सब हैं

डॉ. भागवत ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक समाज के हर क्षेत्र में अपना प्रभाव डाल रही है। हमें तकनीक के लिए एक मानवीय नीति बनानी होगी। आधुनिक विज्ञान और तकनीक में जो कुछ गलत है, उसे छोड़ना पड़ेगा और जो अच्छा है, उसे स्वीकार कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विशेषता पर जोर देते हुए कहा कि हमें विविधता में एकता बनाए रखनी होगी। भारत की संस्कृति ने हमेशा सभी को जोड़ने का कार्य किया है और इसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। सब में मैं हूं, मुझ में सब हैं, डॉ. भागवत ने भारतीय दर्शन के इस मूल विचार को रेखांकित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह समाज का अभिन्न अंग है और समाज भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दृष्टिकोण से हमें अपने कार्यों को संचालित करना चाहिए। डॉ. भागवत ने कहा कि हमारी शक्ति और संसाधन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समस्त समाज की उन्नति के लिए समर्पित होने चाहिए। हमारे समाज में कई विचारधाराएं हैं और हमें उन लोगों को भी साथ लेकर चलना है जो हमारे विचारों से सहमत नहीं हैं।

पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग को संबोधित करते डॉ.भागवत।

विश्व भारत की ओर देख रहा है उसे मानवता की दिशा देनी होगी - डॉ. मोहनराव भागवत

शारदा विहार आवासीय विद्यालय में पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यासि वर्ग का शुभारंभ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां/भोपाल। विद्या भारती द्वारा आयोजित पांच दिवसीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग 2025 का शुभारंभ हुआ, जिसमें विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री दूसी रामकृष्ण राव जी ने प्रस्तावना रखते हुए कहा कि विद्या भारती के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण हमारा मुख्य लक्ष्य है, जिससे वे शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सभी बिंदुओं को सम्मानित करते हुए, संगठन के लक्ष्यों में कुछ नई बातों को जोड़ने का भी प्रावधान किया गया है।

इस अवसर पर परम पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत जी ने कार्यक्रम के उद्घाटन में कहा विद्या भारती केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं करती, बल्कि समाज को सही दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विश्वक भारत को ओर देख रहा है उसे मानवता की

दिशा देनी होगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे व्यापक दृष्टिकोण से देखना होगा। मानवता को सही दिशा देने के लिए आवश्यक है कि हम अपने कार्य को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाना है। परिवर्तन आवश्यक है, क्योंकि संसार स्वयं परिवर्तनशील है, लेकिन यह अधिक महत्वपूर्ण है कि परिवर्तन की दिशा क्या होनी चाहिए।

युगानुकूल परिवर्तन में निष्क्रिय न रहें

उन्होंने कहा कि समय के अनुसार परिवर्तन आवश्यक है, लेकिन इसमें निष्क्रिय होकर बैठना उचित नहीं होगा। मानव अपने मस्तिष्क के बल पर समाज में परिवर्तन लाता है और उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह परिवर्तन सकारात्मक हो।

टेक्नोलॉजी की मानवीय नीति आवश्यक

आज के समय में तकनीक समाज के हर क्षेत्र में अपना प्रभाव डाल रही है। हमें टेक्नोलॉजी के लिए एक मानवीय नीति बनानी होगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान और तकनीक में जो कुछ गलत है, उसे छोड़ना पड़ेगा और जो अच्छा है, उसे स्वीकार कर आगे बढ़ना होगा।

विविधता में एकता का महत्व

उन्होंने भारत की सांस्कृतिक विशेषता पर जोर देते हुए कहा कि हमें विविधता में एकता बनाए रखनी होगी। भारत की संस्कृति ने हमेशा सभी को जोड़ने का कार्य किया है, और इसे बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। सब में मैं हूँ, मुझ में सब हैं डॉ. भागवत ने भारतीय दर्शन के इस मूल विचार को रेखांकित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह समाज का अभिन्न अंग है और समाज भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस दृष्टिकोण से हमें अपने कार्यों को संचालित करना चाहिए ।

विश्व भारत की ओर देख रहा है

आज विश्व भारत की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। भारत ने सदैव सत्य के मार्ग पर चलते हुए अपने मूल्यों को बनाए रखा है, और वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। यदि समाज में परिवर्तन लाना है, तो सबसे पहले व्यक्ति में परिवर्तन लाना होगा। उन्होंने विद्या भारती की इस दिशा में भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि हमें ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करनी होगी, जो व्यक्ति के चरित्र निर्माण में सहायक हो।

विद्या भारती विचारों के अनुरूप शिक्षा का केंद्र

डॉ. भागवत ने कहा कि विद्या भारती अपने विचारों के अनुरूप शिक्षा कार्य कर रही है। यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्रों के जीवन मूल्यों और संस्कारों का निर्माण भी करती है। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा का कार्य व्यापक है ।

Mohan Bhagwat to formally inaugurate Vidya Bharati's training camp in Bhopal today

News By Tags | #India #BeyondMarket #MohanBhagwat #Bhopal #RSS

htriya Swayamsevak Sangh (RSS) chief Mohan Bhagwat will formally inaugurate a training camp of Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan on Tuesday at Saraswati Vidya Mandir residential school in Bhopal.

More than 700 full-time 'karyakartas' (workers) from across the country will be participating in this six-day-long training camp.

RSS joint general secretary Krishna Gopal will be present throughout the training camp.

Union Minister of Education Dharmendra Pradhan, MP Chief Minister Mohan Yadav and RSS ideologue and senior advisor to Vidya Bharati Suresh Soni are scheduled to address during the concluding session of the camp on March 8, the RSS functionary said.

Other dignitaries likely to grace the occasion include **Vidya Bharati President Dusi Ramakrishna Rao, Organising Secretary Govind Mahant, Joint Organising Secretary Yatindra Sharma, Shriram Aravkar, Nikhilesh Maheshwari, Mohanlal Gupta and Shiromani Dubey** .

There will be a cultural programme based on Panch Parivartan on Wednesday.

On Thursday, the 'karyakartas' will visit the 'Sanskar Kendras' of 40 villages run by Sharda Vihar to see societal changes.

The RSS-affiliated Vidya Bharati, a non-governmental educational organisation, has been working in the field of education in the country since 1952 when it established its first school, in Gorakhpur, according to the Sangh.

Vidya Bharati runs 22,000 schools, including single-teacher ones, across the country, the statement said.

These institutes collectively have 1,54,000 teachers and around 3.6 million students, it said.

Vidya Bharati aims to instil modern educational skills and ethical values among students, the statement said, adding that it also manages 60 colleges and one university for higher education.

About 36 lakh students study in these institutions and 1,54,000 teachers are working.

Vidya Bharati is contributing to education and development through 60 colleges and a university as well as ITI, Krishi Vigyan Kendra and Skill Development Centres.

India is Pole Star, can give direction to world in humanity: RSS chief Bhagwat

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: RSS chief Dr Mohan Bhagwat on Tuesday said that the world is now looking towards India with great expectations, and the country should now give direction to the planet in humanity.

Bhagwat was on a day's visit to Bhopal where he inaugurated a national workshop of Vidya Bharti Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan at Sharda Vihar Saraswati Vidya Mandir. "Social, cultural and ideological changes happening in the world need to be given a direction as per India's Sanatan traditions," the RSS chief said.

PTI

RSS chief Mohan Bhagwat

Addressing the congregation of 700 full-time Vidya Bharti volunteers, Dr Bhagwat said, "When many misrepresentations are emerging in the world today, India is the only Pole Star that can provide the right direction. For this, it is necessary to promote education, culture and policy making based on Indian traditions for the all-round development of society and nation."

Senior RSS functionaries including Dr Krishna Gopal, Vidya Bharati president D. Ramakrishna Rao, general secretary Avneesh Bhatnagar were present. Bhagwat said that Vidya Bharati is not limited to providing education, but it is an integral part of national reconstruction. The Sangh is not limited to only running branches but is also working for social transformation, he added.

Vidya Bharati's work is being recognised globally, and this proves that the work of RSS and its affiliate organizations is not limited to India, but has global importance, he said. "Today, it is necessary to restore moral and cultural values in society. We should not be limited to only economic progress but should build a society based on fundamental principles like humanity, compassion and truth."

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. भागवत कल करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन

आज से राजधानी में विद्या भारती के अभ्यास वर्ग की होगी शुरुआत, 700 से अधिक कार्यकर्ता होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान का अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग सोमवार से शुरू होगा। राजधानी के केरवा डैम रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय, शारदा विहार में 3 से 8 मार्च तक यह वर्ग आयोजित किया जाएगा। रविवार को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के महामंत्री अवनीश भटनागर ने अभ्यास वर्ग की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 3 मार्च को सुबह 10 बजे डिजिटल एवं मैन्युअल प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण राव, अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द महंत, विश्वास सारंग, मंत्री, खेल एवं युवा कल्याषण, सहकारिता करेंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन 4 मार्च को सुबह 9 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत करेंगे। 5 मार्च को शाम 7:15 बजे से पंच परिवर्तन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 6 मार्च को ग्राम दर्शन योजना के माध्यम से सभी कार्यकर्ताओं को शारदा विहार आवासीय विद्यालय द्वारा संचालित 40 ग्रामों के संस्कार केंद्रों का भ्रमण कराया जाएगा, जिससे वे समाज में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकें। इस अभ्यास वर्ग में एनसीईआरटी, सीबीएसई डायरेक्टर, भाषा भारती अध्यक्ष सहित शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और 22 विशेषज्ञ सत्रों में शामिल होंगे।

शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और 22 विशेषज्ञ सत्रों में शामिल होंगे

एक अच्छा स्किल डेवलपमेंट सेंटर तैयार हो : राव

अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण राव ने कहा कि देश के सभी जिलों में एक अच्छा स्किल डेवलपमेंट सेंटर तैयार हो। कल्पना यही है कि स्किलिंग बाय स्कूलिंग यानि शिक्षा के साथ निपुणता की व्यवस्था हो। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीप टेक्नोलॉजी में हमारे शिक्षक गण दक्ष हों। हमारे पास 1 लाख 6 हजार आचार्य हैं, उनको सशक्त करने के लिए यह अभ्यास वर्ग चला रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले नए परिवर्तन पर प्रशिक्षण लेकर यह जिला स्तर पर भी कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। महामंत्री अवनीश भटनागर ने कहा कि सा विद्या या विमुक्तये के ध्येय वाक्य के साथ विद्या भारती लगातार शिक्षा और शिक्षण के विकास में योगदान के लिए प्रयासरत है। कार्यकर्ता विकास की दृष्टि से भी अनेक कार्यक्रम होते हैं। पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग इसी श्रृंखला का हिस्सा है। यह वर्ग उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की संगठित और प्रभावी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। अभ्यास वर्ग में देशभर से 700 से अधिक पूर्णकालिक कार्यकर्ता भाग लेंगे।

समापन समारोह में वरिष्ठ मार्गदर्शक सुरेश सोनी शामिल होंगे

8 मार्च को अभ्यास वर्ग का समापन समारोह आयोजित होगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ मार्गदर्शक सुरेश सोनी शामिल होंगे। इस आयोजन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल, विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष डॉ रामकृष्ण राव, अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत, सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा, श्रीराम आरावकर, प्रादेशिक संगठन मंत्री विशिष्टेश महेश्वरी, मोहनलाल गुप्ता, अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, शिरोमणि दूबे, प्रादेशिक सचिव सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान पूरे समय उपस्थित रहेंगे।

9400 से ज्यादा अनौपचारिक शिक्षा केंद्र निःशुल्क

वर्तमान में विद्या भारती भारत के 684 जिलों में 12,098 औपचारिक विद्यालयों का संचालन करती है। इनमें से लगभग 100 विद्यालय आवासीय हैं। 200 से अधिक सीबीएसई और शेष स्थानीय राज्य बोर्डों से सम्बद्ध हैं। विद्या भारती पूर्वांचर क्षेत्र तक सुदूर दुर्गम तथा जनजातीय क्षेत्रों, महानगरों की सेवा बस्तियों इत्यादि में 9400 से ज्यादा अनौपचारिक शिक्षा केंद्र निःशुल्क चला रही है। इन सभी विद्यालयों में तकरीबन 36 लाख छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। उच्च शिक्षा में विद्या भारती 60 महाविद्यालय तथा एक विश्वविद्यालय संचालित करती है।

RSS chief to open Vidya Bharati training camp in Bhopal tomorrow

Bhopal: Rashtriya Swayamsevak Sangh chief Mohan Bhagwat will formally inaugurate a training camp on March 4 for nearly 700 workers of Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan in Bhopal, a Sangh functionary said on Sunday.

This training camp will be held at Saraswati Vidya Mandir residential school in the Madhya Pradesh capital, he said in a media statement.

Union Minister of Education Dharmendra Pradhan, MP chief minister Mohan Yadav and RSS ideologue and senior advisor to Vidya Bharati Suresh Soni are scheduled to give addresses during the concluding session of the camp on March 8, the RSS functionary.

RSS chief Mohan Bhagwat

A day before the inauguration, MP Sports and Youth Affairs Minister Vishwas Sarang and other dignitaries will on Monday open an exhibition showcasing India's glorious past and promising future at the same venue, he said.

RSS joint general secretary Krishna Gopal will be present throughout the training camp, he said.

The RSS-affiliated Vidya Bharati, a non-governmental educational organisation, has been working in the field of education in the country since 1952 when it established its first school, in Gorakhpur, according to the Sangh.

Vidya Bharati runs 22,000 schools, including single-teacher ones, across the country, the statement said.

These institutes collectively have 1,54,000 teachers and around 3.6 million students, it said.

The RSS-affiliated Vidya Bharati aims to instil modern educational skills and ethical values among students, the statement said.

Tt also manages 60 colleges and one university for higher education, the statement added. PTI

स्वदेश ज्योति

विद्या भारती का अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग आज से

राष्ट्रसेवा को समर्पित देशभर के कार्यकर्ताओं का होगा संगम

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग सोमवार 3 मार्च से 8 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम केरवां बांध मार्ग स्थित सरस्वती विद्या मंदिर आवासीय विद्यालय में होगा। अभ्यास वर्ग में देश भर से 700 से अधिक पूर्णकालिक कार्यकर्ता भाग लेंगे, जो राष्ट्रसेवा, संगठन शक्ति, अनुशासन एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रतीक बनेंगे। यह जानकारी विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष बी. रामकृष्ण राव तथा अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के महामंत्री अवनीश भटनागर ने पत्रकारों से चर्चा में दी। उन्होंने बताया कि आयोजन के पहले दिन 3 मार्च को सुबह 10 बजे से डिजिटल एवं मैन्युअल प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा। इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवशाली अतीत एवं उज्जवल भविष्य की झलक दिखाई देगी। प्रदर्शनी का शुभारंभ अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविन्द महंत, प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास सारंग तथा अन्य अतिथियों द्वारा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन मंगलवार 04 मार्च को प्रातः 09: 00 बजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत करेंगे। अगले दिन 5 मार्च को शाम 07: 15 बजे से पंच परिवर्तन पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। वहीं,06 मार्च को ग्राम दर्शन योजना के माध्याम से सभी कार्यकर्ताओं को शारदा विहार आवासीय विद्यालय द्वारा संचालित 40 ग्रामों के संस्कार केंद्रों का भ्रमण कराया जाएगा। जिससे वे समाज में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकेंगे।

समापन 8 मार्च को

छह दिवसीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग का समापन 8 मार्च को होगा। जिसमें अतिथियों द्वारा कार्यकर्ताओं को प्रेरक उद्बोधन दिये जाएंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सुरेश सोनी, वरिष्ठ मार्गदर्शक रहेंगे। इस पूरेआयोजन में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णमगोपाल जी, विद्या भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री दूसि रामकृष्णे राव, अखिल भारतीय संगठन मंत्री गोविंद चंद्र महंत, सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा, श्रीराम आरावकर, प्रादेशिक संगठन मंत्री निखिलेश महेश्वरी, मोहनलाल गुप्ता, अध्यक्ष सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, शिरोमणि दुबे, प्रादेशिक सचिव सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान पूरे समय उपस्थित रहेंगे।

Bhopal Main-Edition Edition
Mar 03, 2025 Page No. 3
Powered by: erelego.com